

राष्ट्रीय पर्यटन नीति

प्रलिस के लयि:

भारत में पर्यटन, पर्यटन से संबंघति योर्नाएँ, राष्ट्रीय पर्यटन नीतिका मसौदा ।

मेन्स के लयि:

भारत में पर्यटन से संबंघति सरकारी नीतयिँ और हस्तकषेप, महत्त्व तथा चुनौतयिँ ।

चर्चा में क्योँ?

संसदीय समतियिँ का मानना है किराष्ट्रीय पर्यटन नीतिका मसौदा तैयार कर देने मात्र से देश में पर्यटन उद्योग का वकिस संभव नहीं है ।

- समतियिँ ने पर्यटन कषेत्तर और इसके हतिधारकोँ को प्रभावति करने वाले वभिन्न मुद्दों पर केंद्र तथा राज्य सरकारों को सीधे सफिरशिँ करने के लयि [GST परषिद](#) के समान एक राष्ट्रीय पर्यटन परषिद की स्थापना का प्रस्ताव दयिा है ।

समतिद्वारा उठाए गए मुद्दे:

- समवर्ती सूची में शामिल करना:**
 - समतियिँ ने पर्यटन मंत्रालय द्वारा [समवर्ती सूची](#) में पर्यटन को शामिल करने की अपनी पूर्व की सफिरशिँ के संबंघ में उठाए गए कदमों के संदर्भ में जानकारी हासलि की ।
 - समति के अनुसार, समवर्ती सूची में पर्यटन को शामिल करने सेमहामारी से प्रभावति भारतीय पर्यटन कषेत्तर के मुद्दों के समाधान में मदद मलैगी क्योँकपर्यटन एक बहु-कषेत्तीय गतविधि है ।
- आतथिय परयोजनाओं को उद्योग का दर्जा:**
 - इसने यह भी जानना चाहा किरक्योँ 20 राज्यों ने अभी तक आतथिय परयोजनाओं को उद्योग का दर्जा नहीं दयिा है और मंत्रालय से पूछा है किरक्या इस संबंघ में इन राज्यों द्वारा केंद्र को कुछ भी जानकारी साझा की गई है ।
 - अब तक आठ राज्यों (महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान और उत्तराखंड) ने आतथिय परयोजनाओं को उद्योग का दर्जा दयिा है ।
- स्वीकृत परयोजनाओं के संबंघ में:**
 - इसने चति व्यक्त की है किरपाँच वर्ष पहले या वर्ष 2017-18 से पहले स्वीकृत परयोजनाओं में प्रगतिकी दर अपेक्षा से कम रही है ।
 - स्वीकृत परयोजनाएँ: जम्मू-कश्मीर में 'हजरतबल में वकिस' और ओडशिा में 'मेगा सर्कटि के तहत देउली में [श्री जगन्नाथ धाम, पुरी](#) - रामाचंडी - प्राची रविर फ्रंट में बुनयिादी ढाँचा वकिस' को मंजूरी दी गई है ।
 - समति का वचिार है किरपाँच वर्ष से अधिकि समय लेने वाली परयोजनाओं में उच्च लागत और समय की अधिकिता हो सकती है जिससे मंत्रालय एवं कार्यान्वयन एजेंसयिँ पर संसाधनों की कमी व अतरिकित वत्तीय बोझ बढ़ जाता है ।

राष्ट्रीय पर्यटन नीतिके मसौदे की मुख्य वशिषताएँ:

- पर्यटन सेक्टर को उद्योग का दर्जा:**
 - मसौदे के तहत पर्यटन कषेत्तर में नविश को बढ़ावा देने हेतु इस कषेत्तर को उद्योग का दर्जा देने के साथ-साथ होटलों को औपचारिक रूप से बुनयिादी अवसंरचना में शामिल कयि जाने का उल्लेख है ।
- पाँच प्रमुख कषेत्तर:**
 - अगले 10 वर्षों में पाँच प्रमुख महत्त्वपूर्ण कषेत्तरों पर ध्यान दयिा जाएगा, जिसमें हरति पर्यटन, डजिटिल पर्यटन, गंतव्य प्रबंधन, आतथिय कषेत्तर को कुशल बनाना और [सुकषम, लघु एवं मध्यम उद्यमों \(MSMEs\)](#) से संबंघति पर्यटन का समर्थन करना शामिल है ।
- उपयुक्त कराधान और सबसिडी नीतियिँ का समर्थन:**

- यह टिकाऊ पर्यटन गतिविधियों में नविश को प्रोत्साहित करने और अस्थिर पर्यटन को हतोत्साहित करने के लिये उपयुक्त कराधान और सब्सिडी नीतियों का समर्थन करेगा।

■ फ्रेमवर्क शर्तें प्रदान करना:

- यह मसौदा नीति विशिष्ट परचालन मुद्दों को संबोधित नहीं करती है, हालाँकि इसमें विशेष रूप से महामारी के मद्देनज़र इस क्षेत्र की मदद करने के लिये फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया गया है।
- वदेशी और स्थानीय पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिये समग्र मशिन एवं वज़िन तैयार किया जा रहा है।

भारत में पर्यटन क्षेत्र की स्थिति:

■ परिचय:

- **वशिव यात्रा और पर्यटन परिषद** की 2021 की रिपोर्ट ने वशिव **GDP (सकल घरेलू उत्पाद)** में योगदान के मामले में भारत के पर्यटन को **6वें** स्थान पर रखा है।
 - वर्तमान में **वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF)** ने अपने यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक 2021 में भारत को **54वाँ** स्थान दिया है।
- भारत में वर्ष 2021 तक **'वशिव वरिसत सूची'** के तहत 40 साइट्स सूचीबद्ध हैं। इस मामले में वशिव में भारत का छठा स्थान (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मशिरति स्थल) है।
 - इनमें **धौलावीरा और रामप्पा मंदिर (तेलंगाना)** शामिल होने वाली नवीनतम साइट्स हैं।
- वतित वर्ष 2020 में भारत में पर्यटन क्षेत्र में 39 मिलियन नौकरियों थीं जिनकी देश में कुल रोज़गार में 8.0% हसिसेदारी थी। वर्ष 2029 तक यह आँकड़ा लगभग 53 मिलियन नौकरियों तक पहुँचने की उम्मीद है।

■ नवीनतम पहलें:

- **सवदेश दर्शन योजना**
- **देखो अपना देश' पहल**
- **राष्ट्रीय हरति पर्यटन मशिन**
- **प्रसाद परियोजनाएँ**
- **बौद्ध सम्मेलन**

भारत में पर्यटन क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ

■ बुनियादी ढाँचे में कमी:

- भारत में पर्यटकों को अभी भी कई बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे-खराब सड़कें, पानी, सीवर, होटल और दूरसंचार आदि।

■ बचाव और सुरक्षा:

- पर्यटकों, वशेषकर वदेशी पर्यटकों की सुरक्षा पर्यटन के विकास में एक बड़ी बाधा है। वदेशी नागरिकों पर हमला अन्य देशों के पर्यटकों का भारत में स्वागत करने की क्षमता पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

■ कुशल जनशक्ति की कमी:

- कुशल जनशक्ति की कमी भारत में पर्यटन उद्योग के लिये एक और चुनौती है।

■ मूलभूत सुविधाओं का अभाव:

- पर्यटन स्थलों पर पेयजल, सुव्यवस्थित शौचालय, प्राथमिक उपचार, अल्पाहार गृह आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव।

■ मौसम:

- मौसम की भूमिका को देखें तो अक्टूबर से मार्च तक छह महीने पर्यटन क्षेत्र में मौसमी व्यस्तता सीमिति होती है, जबकि नवंबर और दसंबर में भारी भीड़ देखी जाती है।

आगे की राह

- भारत की समृद्ध वरिसत और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए पर्यटन क्षेत्र में बेजोड़ विविधता भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाने तथा वदेशी राजस्व को आकर्षित करने में एक महत्त्वपूर्ण कारक हो सकती है।
 - भारत का 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का दर्शन वशिव को एक परिवार के रूप में देखता है। यह भारत को बहुपक्षवाद में अटूट वशिवस प्रदान करता है।
- दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों सहित समाज में हाशिये पर जी रहे वर्गों के लिये अवसर पैदा करके पर्यटन **क्षेमावेशी विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है।**
- देश भर में वाँछित पर्यटन स्थलों और प्रमुख बाज़ारों तथा क्षेत्रों की पहचान करने के लिये **एकव्यापक बाज़ार अनुसंधान एवं मूल्यांकन अभ्यास किया जा सकता है।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. विकास की पहल और पर्यटन के नकारात्मक प्रभाव से परवतीय पारस्थितिकि तंत्र को कैसे बहाल किया जा सकता है? (वर्ष 2019)

प्रश्न. जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्य पर्यटन के कारण अपनी पारस्थितिकि वहन क्षमता की सीमा तक पहुँच रहे हैं। समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिये। (वर्ष 2015)

स्रोत: द द्रि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/national-tourism-policy-1>

